खतरा ▶ फ्लाइओवर पर बढ़ रही लापरवाही, प्रतिबंधित रास्तों से घुस रहे वाहन

प्रतिबंध के बावजूद जारी वाहन चालकों की मनमानी

प्रतिबंध के बावजूद मदन महल से फ्लाइओवर में प्रवेश करती हुई बस

प्रवेश निषेध साइन बोर्ड सिर्फ दिखावा

जबलपुर, नवभारत। मदन महल से दमोह नाका की ओर बने प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाइओवर पर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। फ्लाइओवर में कई स्थानों पर वन-वे रास्ते बनाए गए हैं, जहां से वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। बावजूद इसके बड़े वाहनों से लेकर छोटे वाहन तक रॉन्ग साइड से फ्लाइओवर में प्रवेश कर रहे हैं।

नो-एंट्री बोर्ड बने सिर्फ दिखावा

फ्लाइओवर के प्रतिबंधित हिस्सों में 'नो एंट्री' के साइन बोर्ड लगाए गए हैं, लेकिन उनकी कोई प्रभावशीलता नजर नहीं आ रही। यातायात पुलिस की लगातार गैरमौजूदगी के कारण वाहन चालक बिना डर-खौफ फ्लाइओवर में प्रवेश कर रहे हैं। इससे न केवल ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि अन्य वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा भी पैदा हो रहा है।

रॉन्ग साइड से बढ़ रहा हादसों का जोखिम

रॉन्ग साइड से फ्लाइओवर में प्रवेश करना किसी भी स्थिति में सुरक्षित नहीं है। तेज रफ्तार में चलने वाले वाहनों के बीच उल्टी दिशा से आ रहे वाहन दुर्घटनाओं की संभावना को कई गुना बढ़ा देते हैं। राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती नहीं की, तो यहां बड़े हादसे हो सकते हैं।

इनका कहना है

फ्लाईओवर पर संकेत चिन्ह जगह-जगह लगे हुए हैं और विगत दिनों यातायात पुलिस द्वारा सरप्राइज चेकिंग कर जो यातायात नियमों का उल्लंघन और यू टर्न, नो एंट्री में प्रवेश करते हुए पाए गए थे उन पर लगभग 200 से ज्यादा लोगों पर चालानी कार्रवाई भी की है। आगे भी इनके ऊपर कार्यवाही की जाएगी, जिससे फ्लाईओवर पर यातायात सुगम बना रहे और दुर्घटना की संभावना न होने पाए।

अंजना तिवारी
अति पुलिस अधीक्षक यातायात

एसईसीएल और ठेका कंपनी आरकेटीसी सहित अन्य को नोटिस

हाईकोर्ट ने बिना सुरक्षा मानक खदान में मिट्टी डालने से मौत पर मांगा जवाब

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने बिना सुरक्षा मानक खदान में मिट्टी डालने से मौत के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में भारत सरकार, एसइसीएल प्रबंधन, ठेका कंपनी आरकेटीसी, थाना प्रभारी धनपुरी, शहडोल, कलेक्टर शहडोल, डीजीएमएस, जबलपुर को नोटिस जारी किए गए हैं।

याचिकाकर्ता मऊगंज जिला अंतर्गत ग्राम खजुरहन निवासी आरती कुशवाहा की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति अनिल कुशवाहा की 11 अक्टूबर, 2025 को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया की अमलई ओसीएम में प्रबंधन की लापरवाही से मौत हो गई थी। वे ट्रिपर हाइवा चालक थे। एसईसीएल के द्वारा आरकेटीसी कंपनी को ठेका दिया गया था। याचिकाकर्ता के पति

ठेका कंपनी के अंतर्गत कार्य कर रहे थे। उस दिन काफी बारिश हुई थी। इसके बावजूद प्रबंधन व ठेका कंपनी द्वारा टार्गेट पूरा करने बिना सुरक्षा मानकों के मिट्टी डालने के कार्य में लगा दिया। वह खदान 15 वर्ष पूर्व बंद हो गई थी। 90 फुट गहरी थी। उसमें बारिश का पानी भरा था। बारिश के कारण मिट्टी की सतह ठोस नहीं थी। इसलिए वे ट्रिपर सहित नीचे गिर गए। इस वजह से मौत हो गई।

राज्य सरकार के सर्कुलर की संवैधानिक वैधता को चुनौती

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने राज्य सरकार के सर्कुलर की संवैधानिक वैधता को चुनौती पर प्रमुख सचिव, जल संसाधन सहित अन्य नोटिस जारी की जवाब-तलब कर लिया है। मामला 35 वर्ष सेवा के बाद भी समयमान वेतनमान से वंचित डिप्लोमाधारकों सब इंजीनियरों की याचिका से संबंधित है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी प्रवीण वर्मा सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता प्रशांत अवस्थी, असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, विनीत टेहेनगुनिया, शुभम पाटकर व प्रशांत संधोनिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जल संसाधन विभाग में उप अभियंता के पद पर कार्यरत रहे हैं और सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने 35 वर्ष से अधिक की सेवा पूर्ण की है और सभी ने तृतीय कालावधि वेतनमान का लाभ प्राप्त किया, किन्तु चतुर्थ कालावधि वेतनमान (अधीक्षण अभियंता के वेतनमान के समतुल्य) से उन्हें वंचित रखा गया।

पांच नकबजन गिरफ्तार, जेवर, नगदी, मूर्ति जब्त

भोपाल से कार में आई चोर गैंग ने जबलपुर में तोड़ा था सूने मकान का ताला

जबलपुर। गोराबाजार थाना अंतर्गत दत्त टाउन शिप तिलहरी में रहने वाली प्रोफेसर के भाई के सूने घर में हुई चोरी की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। साथ ही पांच नकबजन भी गिरफ्तार कर लिए है जिनके कब्जे से चुराये हुये चांदी के जेवर एवं मूर्ति वजनी 400 ग्राम, नगद 62 हजार रूपये, घटना में प्रयुक्त 2 रॉड जप्त कर लिए गए है। चोर भोपाल से कार में आए थे जबलपुर में रूककर उन्होंने रैकी के बाद वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक रत्न कुमार श्रीवास्तव 64 वर्ष निवासी दत्त टाउन शिप तिलहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ है उसके बड़े भाई हेमंत कुमार श्रीवास्तव का मकान उसके मकान के बाजू से दत्त टाउन शिप में है भाभी श्रीमति रेखा श्रीवास्तव एवं बेटी अभिनीता श्रीवास्तव 27 अक्टूबर को दिल्ली चले गये थे। 31

अक्टूबर को पता चला कि घर का ताला दरवाजा खुला है। जाकर देखा तो सामान अस्त व्यस्त फैला हुआ था अलमारी के लाकर खुले हुये थे लकड़ी के बक्से खुले हुये थे। अज्ञात चोर चांदी के जेवर करीब 150 से 200 ग्राम के चुराकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू की।

ऐसे चढ़े हत्थे

मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन 4, यातायात सुश्री अंजना तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक कैंट उदयभान बागरी के मार्गदर्शन मे गोराबाजार एवं क्राईम ब्रांच की टीमें गठित हुई। आरोपी शिवम सोनी पिता भगवानदास सोनी 26 वर्ष निवासी इंद्र विहार कालोनी एयर पोर्ट रोड हुजूर थाना गांधीनगर भोपाल को भोपाल से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ गई तो उसने बताया कि कार एमपी 04 जेड ई 3663 को 4 दिन के लिये किराये पर लेकर अपने साथी सूरज उर्फ गोलू तिर्की, राहुल अहिरवार एवं नवीन उईके व श्रीत ठाकुर के साथ जबलपुर आया था, रैकी कर सूने मकान का ताला चोरी करना स्वीकार करते हुये बताया कि चांदी के जेवर अपनी बहन के घर में छिपाकर रख दिया था एवं चुराये हुये 88 हजार रूपये में से 8 हजार रूपये आने जाने मे खर्च होना व 80 हजार रूपये में से 16-16 हजार रूपये आपस में बांट लिये थे। सूरज, राहुल, नवीन, श्रीत ठाकुर को भी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

---

500 एकड़ में होगी महानगर की तर्ज पर योजनायें विकसित

नवभारत, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 500 एकड़ में विकसित की जा रही योजना क्रमांक 64 एवं 65 तथा योजना क्रमांक 11 द्वितीय चरण शताब्दीपुरम एवं योजना क्रमांक 5/14 गजरथ में निर्मित किये जा रहे बहुमंजिला भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर श्री सिंह द्वारा बताया गया कि जेडीए की योजना क्रमांक 64 एवं 65 निश्चित ही अत्यंत महत्वाकांक्षी योजनायें है एवं 500 एकड़ के क्षेत्र में महानगरों की तर्ज पर योजनायें विकसित होने से निश्चित रूप से नये शहर की परिकल्पना साकार होगी। इस दौरान जेडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक कुमार वैद्य ने योजना क्रमांक 64 एवं 65 के विस्तृत प्लान एवं विकास कार्यों, भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी से अवगत् कराया।

विद्युत पोल पर चढ़े प्राइवेट कर्मी को लगा करंट, मौत

जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत ग्राम तलाड़ धान मिल के सामने विद्युत पोल पर चढ़े प्राइवेट कर्मी को करंट लग गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को प्रहलाद पटेल 32 वर्ष निवासी ग्राम पौड़ीकला सिहोरा ने सूचना दी कि उसका छोटा भाई आशीष पटेल 29 वर्ष रतन इम्पोरियय धार की प्राईवेट कम्पनी में विद्युत लाईन सुधार कार्य में हेल्पर का कार्य करता था। शुक्रवार दोपहर 2-20 बजे सुशील दुबे पोड़ा विद्युत फीडर में परमिट के लिये गया था एवं उसका छोटा भाई आशीष पटेल सुधार कार्य करने के लिये ग्राम तलाड़ धान मिल के सामने विद्युत पोल पर चढ़ा था जिसे करंट लग गया एवं विधुत पोल से नीचे गिर गया है, गांव वाले आशीष को उपचार के लिये शासकीय अस्पताल सिहोरा ले जाया गया, जहां आशीष पटेल 29 वर्ष को डाक्टर ने चैक कर मृत घोषित कर दिया।

अवैध डेरियों पर कार्रवाई

जबलपुर। बंदरिया तिराहा स्थित ओजस अपार्टमेंट की पार्किंग में अवैध रूप से चल रही एक डेरी के खिलाफ कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने तत्काल प्रभाव से डेरी संचालक पर 10 हजार रुपये का भारी जुर्माना लगाया। इसके साथ ही, डेरी में रखे गए पशुधन को सुरक्षित रूप से पार्किंग स्थल से हटाकर अन्यत्र शिफ्ट कराया गया। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शहर के किसी भी क्षेत्र में अवैध डेयरी का संचालन पाए जाने पर संचालक के विरूद्ध तुरंत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा गंदगी फैलाने वाले 63 नागरिकों के विरूद्ध भी चालानी कार्रवाई की। इन सभी नागरिकों से मौके पर ही 60 हजार 7 सौ रुपये का स्पॉट फाइन वसूला गया।

खेतों से पंप जब्त

ओमती नाला के गंदे पानी का उपयोग कृषि के लिए कर रहे किसानों के खिलाफ शुक्रवार को भी संयुक्त कार्रवाई की गई। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व कलेक्ट्रेट, हॉर्टिकल्चर और एग्रीकल्चर विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल ने करमेता, रेगावां, और कचनारी गाँवों में यह कार्रवाई की। दल ने मौके पर कार्रवाई करते हुए किसानों के पंप सेट जब्त कर लिए, जिनका उपयोग नाले के प्रदूषित जल को खेतों तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई में उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, धर्मेंद्रराज, अर्जुन यादव, पोलाराव, प्रभारी सहायक यंत्री अभिनव मिश्रा, नायब तहसीलदार श्रीमती नीलू बागरी, डॉ. नेहा पटेल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस मटर-गेहूं के बीज बेचने पर एफआईआर

जबलपुर। बिना लाइसेंस के गेहूं और मटर के बीज का भंडारण एवं विक्रय करने के मामले में किसान कल्याण व कृषि विभाग द्वारा शहपुरा कृषि उपज मंडी के पीछे स्थित दुकान के संचालक के खिलाफ शहपुरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के मुताबिक गत दिवस शहपुरा मंडी के पीछे कमर्शियल एरिया स्थित सचिन जैन की दुकान में कृषि अधिकारियों ने छापा मार कार्रवाई की थी। इस दौरान दुकान में अवैध रूप से बिना लाईसेंस के मटर एवं गेहूं बीज का भंडारण एवं विक्रय करना पाया गया था। दुकान में भण्डारित करीब 3 लाख 14 हजार 600 रुपये का मटर का 28 क्विंटल बीज तथा 39 हजार 960 रुपये कीमत का गेहूं का 10.80 क्विंटल बीज जब्त किया गया था। जब्त किये गये बीज को दुकान संचालक के सुपुर्द कर इसका विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया था बिना लाईसेंस के बीजों का भंडारण एवं विक्रय करने के इस मामले में सचिन जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

टर्बाइन रोटर का इंस्टॉलेशन कार्य हुआ पूरा

कल से शुरू होगा कचरे से बिजली बनाने वाला प्रदेश का पहला प्लांट

नवभारत, जबलपुर। हरित जबलपुर की ओर छलांग लगाते हुए नगर निगम जबलपुर ने एक और उपलब्धि हासिल की है। शहर के कचरे से बिजली बनाने वाला मध्यप्रदेश का इकलौता 600 टीपीडी क्षमता वाला कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट करीब साल भर बंद होने के बाद शनिवार से शुरू कर दिया जाएगा। 11.5 मेगावाट बिजली प्रतिदिन बनाने वाले इस प्लांट के आवश्यक तकनीकी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। टर्बाइन रोटर का इंस्टॉलेशन भी पूरा कर लिया गया है। वहीं बॉयलर में ड्राई आउट की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अलावा प्लांट की टेस्टिंग और कमीशनिंग भी हो चुकी है। विदित हो कि नगर निगम सीमा क्षेत्र कठोंदा में प्लांट में शहर के कचरे को जलाकर बिजली बनाई जाती है। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नवभारत को बताया कि ऊर्जा उत्पादन की मुख्य प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से शुरू करने के लिए कठौंदा प्लांट के बॉयलर में ड्राई-आउट की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

2016 में स्थापित किया गया था प्लांट

जानकारी के अनुसार नगर निगम द्वारा प्रदत्त जमीन पर एस्सेल कंपनी ने इस प्लांट को वर्ष 2016 में 178 करोड़ रुपए की लागत से लगाया था जिस वक्त स्वामित्व भी कंपनी का था। कंपनी ने करीब दो साल तक प्लांट के जरिए जमकर कमाई की लेकिन जब शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का काम इस कंपनी के हाथों से छीन लिया गया तो कंपनी के जिम्मेदारों ने प्लांट के संचालन में कोई रूचि नहीं दिखाई जिसके बाद नगर निगम जबलपुर ने इस प्लांट के स्वामित्व को सौंपने दुबई की अवार्डा कंपनी से कुछ महीनों बात हुई और उस वक्त दुबई की कंपनी ने प्लांट को खरीदने में रूचि दिखाई थी लेकिन अंत अंत में कंपनी और नगर निगम के बीच सौदा नहीं जमा और फिर इस प्लांट को बंद कर दिया गया। ये प्लांट विगत 1 साल से शहर में बंद पड़ा हुआ है। इस प्लांट की प्रतिदिन की 600 टन कचरे की क्षमता है हालांकि अभी शहर में करीब 400 टन कचरा ही निकल रहा है।

लापरवाही के चलते लगा था करंट मकान मालिक पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत लक्ष्मीनारायण परिसर नशा मुक्ति केन्द्र के पास अमखेरा में निर्माणाधीन मकान में पुताई करते समय करंट लगने से युवक की मौत मौत हुई थी। जांच में यह बात सामने आई कि नवनिर्मित मकान में पुताई के कार्य के दौरान कोई भी सुरक्षा उपकरण एवं साधन मृतक को प्रदान नहीं किए गए। लापरवाही के चलते हादसा हुआ था पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि लक्ष्मीनारायण परिसर नशा मुक्ति केन्द्र के पास अमखेरा में 13 नवंबर को हिमांशु बर्मन 19 वर्ष की करंट लगने से मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया जिसमें यह बात सामने आई कि धनीराम रजक के मकान में निर्माण कार्य चल रहा था जहां पर धनीराम के द्वारा कोई बिजली कनेक्शन नहीं लिया गया था पुताई के लिए पड़ोस के रोहित चौधरी के घर से बिजली कनेक्शन तार के माध्यम से लिया गया था और पुताई के दौरान हिमांशु को करंट लग गया था

कछपुरा गेट में ओवरहालिंग एवं रेलपथ अनुरक्षण कार्य शुरू

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर रेल मंडल के कछपुरा एवं मदनमहल स्टेशन के मध्य किलोमीटर 985/5-6 पर स्थित समपार क्रमांक 316 कछपुरा गेट में ओवरहालिंग एवं रेलपथ अनुरक्षण कार्य 5 दिसम्बर शुक्रवार से शुरू हो गया बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों द्वारा सुबह से ही काम किया जा रहा था। इस दौरान काफी लोगों को इस फाटक से यातायात बंद होने की जानकारी नहीं थी, वे फाटक तक पहुंच रहे थे, फिर ओवरब्रिज का उपयोग करने लौटते नजर आये। हालांकि रेलवे ने सभी संबंधित विभागों, नागरिकों एवं वाहन चालकों को पूर्व में ही सूचित किया कर दिया था कि उक्त समपार फाटक पर आवश्यक तकनीकी ओवरहॉलिंग तथा ट्रैक मेंटेनेंस कार्य के चलते 05 से 08 दिसंबर तक लगातार सड़क यातायात पूर्णतः बंद रहेगा। रेल प्रशासन ने कहा है कि यह कार्यवाही सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने, समपार फाटक की स्थिति को सुदृढ़ करने तथा भविष्य में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अत्यंत आवश्यक है प्रशासन ने इस अवधि में कछपुरा ओवरब्रिज का उपयोग करने का अनुरोध किया है।

रेल पटरी पर मिली सिर कटी लाश

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत परसवाडा के पास रेल्वे पटरी के बीच में मुंड़ी कटी लाश पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ग्वारीघाटबरगी रेल खंड के मध्य परसवाडा के पास एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीब 50 साल की ट्रेन से कटकर मौत हुई है। जिसके चलते उसका सिर और धड़ अलग हो गया। मृतक ने आत्महत्या की है या वह किसी हादसे का शिकार हुआ है इसका पता नहीं चल सका है। हत्या, आत्महत्या, हादसे के एंगल पर पर जांच कर रही है। मृतक कौन है और कहां का रहने वाला है इसका भी पता नहीं चल सका है पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर शिनाख्तगी के प्रयास में जुटी है।

टीटीई को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जबलपुर, नवभारत। रेलवे ने टीटीई को नई जिम्मेदारी सौंपी है। अब वे न केवल टिकट जांचेंगे, बल्कि ट्रेन में सफाई, पानी की उपलब्धता और बेडरोल की स्थिति पर भी निगरानी रखेंगे। यह व्यवस्था रेल मदद हेल्पलाइन 139 से लिंक की गई है। रेलवे बोर्ड के इस निर्णय को शीघ्र ही जबलपुर, भोपाल, कोटा सहित देश के अन्य मंडलों में जल्द लागू किया जाएगा। ट्रेन शुरू होने से पहले टीटीई सुनिश्चित करेंगे कि कोच में पर्याप्त पानी भरा हो, शौचालय साफ हों और पैसेंजर्स तो बेडरोल समय पर उपलब्ध हों। आवश्यकता पड़ने पर टीटीई कोच की स्थिति के फोटो या वीडियो कंट्रोल रूम को भेजेंगे, ताकि मंडल को वास्तविक जानकारी मिल सके। चलती ट्रेन में शिकायत मिलने पर वे यात्रियों से फीडबैक लेंगे और सफाई, शौचालय, पानी व कचरा प्रबंधन से जुड़ी समस्याएं तुरंत दर्ज करेंगे। इससे रेलवे को पता चलेगा कि किन ट्रेनों की स्थिति बेहतर है और कहां सुधार की जरूरत है। नई मॉनिटरिंग व्यवस्था से अधिकारियों को नियमित रिपोर्ट मिलेगी और कोचों की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा सकेगी।

मनमानी ▶ रसूख दिखाने का जरिया बनी नंबर प्लेट

नंबरों की जगह कही नाम तो कही लिखा पदनाम

जबलपुर, नवभारत। शहर के युवा इन दिनों अपनी मनमर्जी से कारों और दो पहिया वाहनों के नंबर प्लेट का आकार, नंबरों का कलर तो बदल ही रहे हैं साथ ही नंबर इस प्रकार से लिखवा रहे है, कि कोई इन्हे आसानी से पकड़ भी ना सके। शहर की सड़कों पर दो और चार पहिया वाहन चालक यातायात नियमों का खुलेआम उल्लंघन तो कर ही रहे हैं, बल्कि वारदात को अंजाम दे रहे है। दुकानों से लगने वाली अमानक नंबर प्लेट वाहनों से भागने वाले अपराधियों की भी पहचान छिपाने में मददगार साबित हो रही हैं। बता दे कि अमानक नंबर प्लेट लगाना केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के तहत अवैध है। लेकिन नियमों

को ताक पर रख नंबर प्लेट लगाकर कई वाहन चालक धड़ल्ले से शहर में घूम रहे हैं। कई वाहनों के नंबर प्लेट रंग-बिरंगी, आड़ी-तिरछी, स्टाइलिश और स्लोगन लिखे हुए हैं या फिर उस पर अक्षर या अंक का साइज छोटा-बड़ा लिखा हुआ है।

ये है नियम और दंड

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के अनुसार, वाहन की नंबर प्लेट अंग्रेजी में होनी चाहिए और एचएसआरपी के लिए सरकार के नियमों का पालन करना चाहिए। इस प्लेट में एक लेज़र-उत्कीर्ण कोड होता है जिसकी नकल नहीं की जा सकती, जिससे धोखाधड़ी और वाहन चोरी की संभावना कम हो जाती है। वही नियमों का पालन न करने पर वाहन मालिक पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

बेखौफ दौड़ती कारें

सड़को पर दौड़ती काली फिल्म और अमानक नंबर प्लेट लगी कारों पर यातायात और आरटीओ विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। परिवहन विभाग में हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगने का काम धीमी गति से कारण वाहन चालकों ने कुछ इस अंदाज में वाहनों की नंबर प्लेट पर नंबर अंकित करना शुरू कर दिया। वाहनों की प्लेट पर लिखे गए नंबर आसानी से नहीं देखे जा सकते। इसके अलावा वाहनों की नंबर प्लेट पर गाने और कार्टून भी चिपकाए जा रहे हैं।

इनका कहना है

कारों में लगी काली फ़िल्में और अमानक लगी नंबर प्लेट के खिलाफ हर रोज कार्रवाई की जा रही है। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ जुर्माना लगाया जा रहा है।

संतोष शुक्ला
डीएसपी, यातायात

अब कंप्यूटर पर डॉक्टर्स लिखेंगे दवाईयों का नाम

जिला अस्पताल विक्टोरिया में 1 माह में शुरू होगी नई व्यवस्था
पायलट प्रोजेक्ट के तहत लागू होगी कार्यप्रणाली
अस्पताल में आएंगे 24 कंप्यूटर

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिला अस्पताल विक्टोरिया में अब डॉक्टर्स द्वारा अपनी हैंडराइटिंग से पर्चे में दवाईयां लिखने की बजाय कंप्यूटर पर दवाईयां लिखनीं होंगी उसके बाद से पर्चा मरीजों व उनके परिजनों के हाथ में आएगा। इस नई व्यवस्था में 24 कंप्यूटर आने के प्रावधान के तहत जिला अस्पताल विक्टोरिया में कंप्यूटर आने शुरू हो गए हैं। पूरी व्यवस्था एक माह में चालू कर दी जाएगी। इस नई व्यवस्था के जिला

अस्पताल विक्टोरिया में लागू होने से जहां मरीज व परिजन खुद दवाईयों के नाम आसानी से पढ़ सकेंगे तो वहीं मरीज का रिकॉर्ड अस्पताल में डिजिटली रूप में संभालकर रखा जाएगा।

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के कंप्यूटर एक्सपर्ट्स द्वारा अस्पताल के डॉक्टर्स, फार्मासिस्ट और नर्सों को पहले चरण की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। विक्टोरिया अस्पताल में करीब 24 कंप्यूटर लगने के बाद दोबारा इन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। विदित हो कि प्रदेश भर के लगभग सभी जिला अस्पतालों में अभी सिर्फ ओपीडी का पर्चा कम्प्यूटराइज्ड बनाया जा रहा है। साथ ही दवाओं की एंट्री कम्प्यूटराइज्ड की जा रही है।

प्रोजेक्ट की सफलता पर सवाल बरकरार

पर्चा न दवाईयों के नाम न लिखकर कंप्यूटर पर पर्चा लिखने का प्रोजेक्ट कहां तक सही साबित होगा, कितना सक्सेस होगा ये तो आने वाला समय बताएगा लेकिन फिलहाल शासन के निर्देशों के तहत इस पर काम होना शुरू हो गया है। सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा ने नवभारत से कहा है कि कोशिश पूरी की जाएगी कि अस्पताल में डॉक्टर्स द्वारा अपी हैंडराइटिंग में पर्चा न लिखकर कंप्यूटर पर लिखा जाए और फिर ये पर्चा मरीजों व उनके परिजनों के हाथ लगे। जिससे लोगों को डॉक्टर्स की हैंडराइटिंग समझने में कोई परेशानी भी न हो। अभी तक ऐसा देखा गया है कि कई बार डॉक्टर्स द्वारा अपनी हैंड राइटिंग में लिखी गई दवाईयों के नाम मरीज व उनके परिजनों के साथ साथ दवा विक्रेताओं को भी समझ में नहीं आ पाते हैं ।

इनका कहना है

मप्र शासन के पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिला अस्पताल विक्टोरिया में नई व्यवस्था लागू की जानी है जिसको शुरू होते-होते अभी 1 माह का समय लग जाएगा। अभी अस्पताल में कंप्यूटर आने शुरू हो गए हैं। डॉक्टर्स द्वारा अब कंप्यूटर पर दवाईयां लिखीं जाएंगी और फिर ये कंप्यूटर का पर्चा मरीजों को दिया जाएगा।

डॉ. संजय मिश्रा
सीएमएचओ, जबलपुर